एडवेंचर टूरिज्म का हब बनेगा रिवर फ्रंट

गोमती के किनारे 20 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में होंगी 22 एडवेंचर एक्टिविटी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। गोमती रिवर फ्रंट एडवेंचर टूरिज्म का हब बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। एलडीए ने प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार एलडीए ने शुरू की प्रक्रिया

रिवर फ्रंट के 20 हजार वर्गमीटर क्षेत्र को एडवेंचर टूरिज्म एरिया के तौर पर चिह्नित कर लिया गया है। इसमें 6000 वर्गमीटर क्षेत्र को कोर एक्टिविटी साइट के तौर पर विकसित किया जाएगा।

एलडीए ने गौस मोहम्मद क्रिकेट स्टेडियम के पास रिवर फ्रंट एंट्रेंस-7 के कायाकल्प और उसे एडवेंचर स्पोर्ट्स हब के तौर पर विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पर्यटकों को जल, थल और वायु से जुड़ी 22 एडवेंचर एक्टिविटी का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा।

गोमती रिवर फ्रंट एडवेंचर टूरिज्म की कार्ययोजना हो गई तैयार।

रोजाना करीब 50 हजार लोग आते हैं

आंकड़ों के मुताबिक रिवर फ्रंट पर रोजाना करीब 50 हजार लोग आते हैं। इसे देखते हुए रिवर फ्रंट के टूरिज्म डवलपमेंट की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। एडवेंचर स्पोर्ट्स एक्टिविज हब के तौर पर चिह्नित स्थल के विकास तथा संचालन के लिए एजेंसी के चयन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। एजेंसी को 10 वर्षों के लिए यह जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके लिए एलडीए की ओर से रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरपीएफ) माध्यम से आवेदन मांगे गए हैं। काम आवंटित करने के तीन माह में काम पूरा करना होगा। इसका बेस प्राइज 15 लाख रुपये निर्धारित किया गया है।

इनका उठा सकेंगे लुत्फ

पर्यटक लैंड जॉर्बिंग, बंजी ट्रैंपोलिन, ऑल टैरेन व्हीकल राइड, गो-कार्टिंग, मेकैनिकल बुल राइड, पेंट बॉल, रोप कोर्स, शूटिंग, आर्चरी व ज्वाइंट व्हील का आनंद उठा सकेंगे। इसी तरह पैरा सेलिंग, बैलूनिंग, स्काई साइक्लिंग, जिप लाइन व फ्लाइंग फॉक्स का लुत्फ भी लिया जा सकेगा। इनके साथ वाटर जॉर्बिंग, वाटर रोलर, पैडल बोट, स्पीड बोट, जेट स्कीइंग व एक्वा साइकिलिंग जैसी गतिविधियां भी होंगी।

सिंचाई विभाग तय करेगा कुकरैल नदी की सीमा

लखनऊ। अकबरनगर, भीखमपुर में कुकरैल नदी की जमीन से कब्जा हटाने के बाद बचा अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। एलडीए अफसरों ने बताया कि खुर्रमनगर, अबरारनगर और इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में कुकरैल की सीमा व जमीन पर कब्जा कहां तक है, यह सिंचाई विभाग तय करेगा। फिर सर्वे कर इसे चिह्नित किया जाएगा। इसके लिए शासन ने एलडीए, सिंचाई विभाग, नगर निगम और प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। इन इलाकों में करीब 600 मकान हैं। इनमें कितने अवैध हैं, यह स्पष्ट नहीं है। सिंचाई विभाग राजस्व विभाग की मदद से खुर्रमनगर, अबरारनगर और इंद्रप्रस्थ की जमीन का खसरा निकलवा रहा है। जांच के बाद वैध व अवैध कब्जेदारों की सूची तैयार कर नोटिस जारी किया जाएगा और इन्हें शिफ्ट कराया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक जल्द ही इन इलाकों में प्रधानमंत्री आवास के आवेदन के लिए शिविर लगाए जाएंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

झुग्गी-झोपड़ियां आज करनी होंगी खाली

लखनऊ। अकबरनगर में अवैध मकान, दुकान ढहाने के बाद अब बंधे किनारे बसी करीब 100 झुग्गी-झोपड़ियों के 200 परिवारों को शनिवार तक जगह खाली करने की चेतावनी दी गई है। उधर, विस्थापितों का कहना है कि उन्हें घर के बदले सिर्फ एक कमरा मिला है। शुक्रवार को भी लोग गाड़ियां रोककर चारों ओर फैले जमींदोज इमारतों के मलबे को देखते रहे। इस बीच तीन पोकलैंड मशीनों ने आखिरी बची इमारत को भी ढहा दिया। उधर, झोपड़ी में रहने वाले सामान बटोरते दिखे। (संवाद)